ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

SUBJECT : SANSKRIT

CHAPTER NO: 3

CHAPTER NAME: DIGIBHARATAM

PPT-1

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

Expected Learning Outcome

सामान्य उद्देश्य -

१. सङ्गणकस्य आवश्यकता सम्वन्धित ज्ञानम्

विशेष उद्देश्य –

१.संस्कृतभाषायाम् अभिरूचिः उत्पादनम्

२. श्रवण भाषणलेखन पठन कौशलानां सम्पादनम्

३. छात्राणाम् शब्दभण्डारस्य विकासः

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

उपक्रम: इण्टरनेट - ज्ञानस्य स्त्रोत: – इण्टरनेट माध्यमेन विषयस्य सरलता पूर्वकम् भवति । अयं एक: ज्ञानस्य स्त्रोत: येन जीवाणुसम्वन्धित-कोरना व्याधि, व्यापार:, राजनीति:, व्याज्ञानिकिचर्चा आदि भवति । अनलाइन दूरस्थ संस्था ( ) माध्यमेन जना: गृहे उपविश्य पाठ्यक्रम पाठयन्ति । सामान्यत: पुस्तकादि ज्ञानार्थम् इदं लाभप्रदम् अस्ति । एतेन इमेल सुविद्धा, वीडियोकलिङ्ग, आदि उपलब्धा: सन्ति ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

[प्रस्तुत पाठ "डिजिटलइण्डिया" के मूल भाव को लेकर लिखा गया निबन्धात्मक पाठ है। इसमें वैज्ञानिक प्रगति के उन आयामों को छुआ गया है, जिनमें हम एक "क्लिक" द्वारा बहुत कुछ कर सकते हैं। आज इन्टरनेट ने हमारे जीवन को कितना सरल बना दिया है। हम भौगोलिक दृष्टि से एक दूसरे के अत्यन्त निकट आ गए हैं। इसके द्वारा जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप सुविधाजनक हो गए हैं। ऐसे ही भावों को यहाँ सरल संस्कृत में व्यक्त किया गया है।]

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

अद्य सम्पूर्णविश्वे "डिजिटलइण्डिया" इत्यस्य चर्चा श्रूयते। अस्य पदस्य कः भावः इति मनसि जिज्ञासा उत्पद्यते। कालपरिवर्तनेन सह मानवस्य आवश्यकताऽपि परिवर्तते। प्राचीनकाले ज्ञानस्य आदान-प्रदानं मौखिकम् आसीत्, विद्या च श्रुतिपरम्परया गृह्यते स्म। अनन्तरं तालपत्रोपरि भोजपत्रोपरि च लेखनकार्यम् आरब्धम्। परवर्तिनि काले कर्गदस्य लेखन्याः च आविष्कारेण सर्वेषामेव मनोगतानां भावानां कर्गदोपरि लेखनं प्रारब्धम्। टङ्कणयन्त्रस्य आविष्कारेण तु लिखिता सामग्री टङ्किता सती बहुकालाय सुरक्षिता अतिष्ठत्। वैज्ञानिकप्रविधेः प्रगतियात्रा पुनरपि अग्रे गता। अद्य सर्वाणि कार्याणि सङ्गणकनामकेन यन्त्रेण साधितानि भवन्ति। समाचार-पत्राणि, पुस्तकानि च कम्प्यूटरमाध्यमेन पठ्यन्ते लिख्यन्ते च। कर्गदोद्योगे वृक्षाणाम् उपयोगेन वृक्षाः कर्त्यन्ते स्म, परम् सङ्गणकस्य अधिकाधिक-प्रयोगेण वृक्षाणां कर्तने न्यूनता भविष्यति इति विश्वासः। अनेन पर्यावरणसुरक्षायाः दिशि महान् उपकारो भविष्यति।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सरलार्थ – आज पूरे विश्व में "डिजिटलइण्डिया" इस शब्द की चर्चा सुनी जाती है। इस शब्द का क्या भाव (अर्थ) है?, यह जिज्ञासा मन में उत्पन्न होती है। समय परिवर्तन के साथ-साथ मनुष्य की आवश्यकताओं में भी परिवर्तन होता है। प्राचीन काल में ज्ञान का आदान-प्रदान मौखिक था और विद्या सुनने की परम्परा द्वारा ग्रहण की जाती थी। इसके पश्चात् ताल पत्र पर और भोज पत्र पर लेखन कार्य आरम्भ हुआ। परिवर्तन के समय कागज और कलम के आविष्कार से सभी प्रकार के मन के भावों को कागज के ऊपर लिखना प्रारम्भ हुआ। टाइपराइटर यन्त्र का आविष्कार से तो लिखित सामग्री छपी हुई होने से लम्बे समय तक सुरक्षित हो गई। वैज्ञानिक तकनीक की प्रगति यात्रा फिर से आगे गई। आज सभी कार्य कम्प्यूटर नामक यन्त्र के द्वारा किए जाते हैं। समाचार पत्र और किताबें कम्प्यूटर के द्वारा पढ़ी और लिखी जाती हैं। कागज के उद्योग में वृक्षों का उपयोग होने से पेड़ काटे जाते थे, परन्तु कम्प्यूटर का अधिक से अधिक उपयोग होने से पेड़ों के कटने में कमी होगी, ऐसा विश्वास है। इससे पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में महान् उपकार होगा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गृहकार्य -

डिजिटाल भारत सम्बन्धे एकं अनुच्छेदं लिखत ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow